समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation



कक्षा - 7

हिंदी (पल्लव)

अध्याय – 13

भगतिन मौसी

भाग – 1

मिताली कुमारी

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation



चंदन तिलक लगाकर ओढ़ा
राम नाम का शाल।
कंठी पहने आई बिल्ली
लेकर तुलसी-माल ।
बोली - "चूहो ! मैं जाऊँगी
करने तीरथ धाम ।
आकर चरन छूओ मौसी के
झुककर करो प्रणाम।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation



बिल के अंदर क्यों बैठे हो?
आओ मेरे पास।
मैं भगतिन बन गई आज से
कर लो तुम विश्वास ।
बूढ़ा चूहा अंदर से ही
बोला खाँस-खखार।
"नहीं तुम्हारी बातों में है
मौसी कुछ भी सार।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

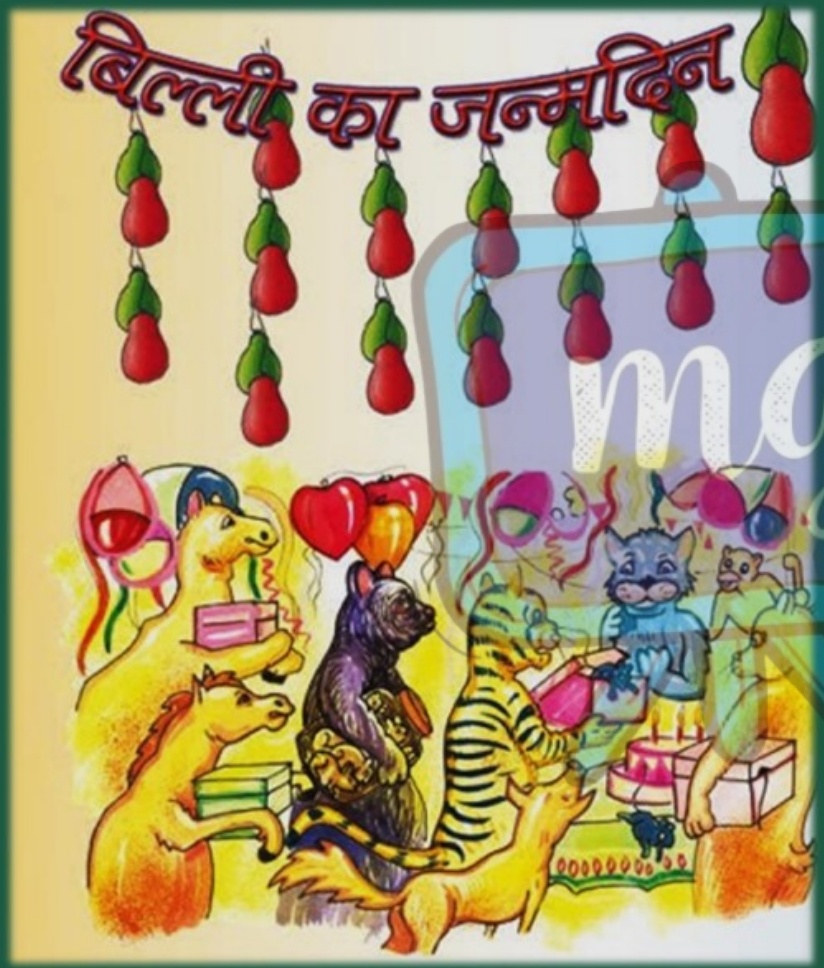
Under CSR Support by
ipca | Foundation



सौ-सौ चूहे खाकर अब तुम
लोगी हरि का नाम।
वही कहावत - छुरी बगल में
लेकिन मुँह में राम।"
मन ही मन खिसियाई बिल्ली
चली न उसकी चाल।
लगी नोचने खंभा चढ़कर
गली न उसकी दाल ।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

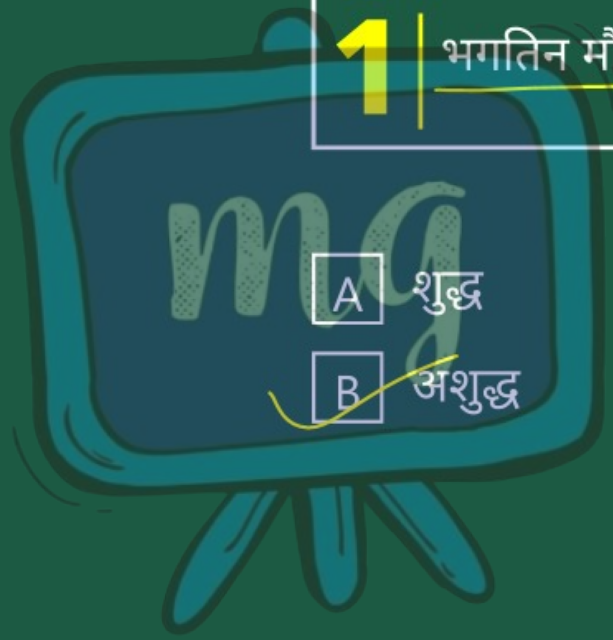


छत पर बैठी बिल्ली मौसी
लगी देखने सपना
एक महल था जहाँ
जन्मदिन मना रही थी अपना।
शेर, लोमड़ी, बंदर, भालू,
घोड़ा, ऊँट, सियार,
भर-भर चूहों के डिब्बे
लाए थे उपहार
मेहमानों की आँख बचाकर
डिब्बे पर जो झपटी
मुँह के बल आ गई सड़क पर
नाक हो गई चपटी।

मूल्यांकन



1 | भगतिन मौसी एक चुहिया थी ।



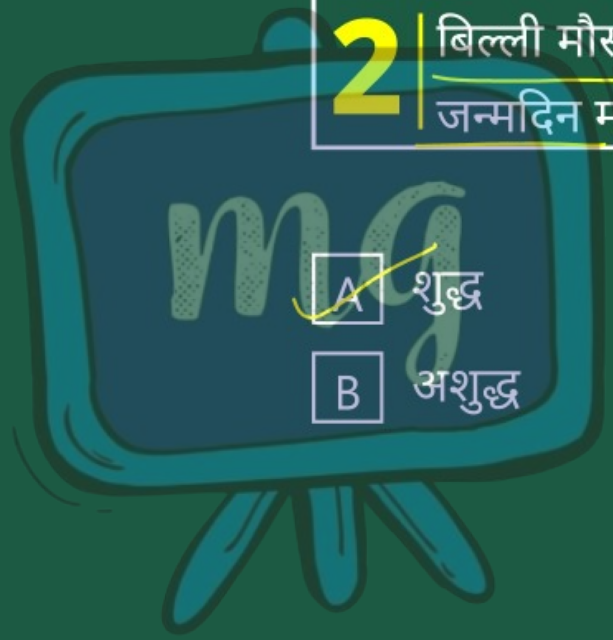
A शुद्ध

B अशुद्ध

मूल्यांकन



2 बिल्ली मौसी ने सपना देखा की एक महल में अपना जन्मदिन मना रही थी ।



A शुद्ध

B अशुद्ध

मूल्यांकन



3 बिल्ली तीर्थ-यात्रा पर नहीं जाने वाली थी ।

